10

द्वितीय संस्करण

नए पाठ्यक्रमानुसार

हिंदी

भाग-2

द्वितीय भाषा के रुप में

डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका प्रतिवेदन लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध लेखन
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका लेख

आई.जी.सी.एस.ई के उद्देश्यों के साथ पुस्तक के विविध विभागों का जुड़ाव –

परिचर्चा – इस विभाग के माध्यम से विद्यार्थी अन्य विद्यार्थियों से चर्चा कर सकेंगे।

साहित्यिक विमर्श –इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी की अन्य विधाओं तथा साहित्यकारों से परिचित कराने का प्रयास किया गया है।

परियोजना कार्य – इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को संशोधन करके अपना परियोजना कार्य संपूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

विचार लेखन – इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को विविध विधाओं के माध्यम से लिखकर अपने विचार अभिव्यक्त करने का अवसर दिया गया है।

विचाराभिव्यक्ति – इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थी विविध विचारों पर बोलकर अपने विचार अभिव्यक्त कर सकेंगे।

कियाकलाप/गतिविधि – इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को व्यक्तिगत अथवा सामूहिक गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

Revisedbloom'staxonomy – प्रश्नों की रचना करते समय ब्लूम के संशोधित वर्गीकरण को आधार बनाया गया है।

Cambridgelearnerprofile – कैम्ब्रिज शिक्षार्थी के कौशलों को विकसित करने के लिए इस विभाग की रचना की गई है।

21stcenturyskills – इक्कीसवीं सदी के विविध कौशलों को विकसित करने हेतु इस विभाग की रचना की गई है।

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका प्रतिवेदन लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध लेखन
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका लेख

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका प्रतिवेदन लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिक

🕮 अनुक्रमणिका 🕮

पठन एवं लेखन कौशल (Reading and writing skills)		
क्रमांक	**अभ्यास**	**पृष्ठ संख्या**
1	पाठ्यक्रम एक नज़र में	01
2	मूल्यांकन के उद्देश्य (Assessment objectives)	02
3	पाठ्यक्रम का अवलोकन (Syllabus overview)	02
4	विषय सामग्री (Subject content)	03
5	पठन कौशल (Reading skills)	04
6	**अभ्यास – 1 (Exercise -1)** **लघु उत्तर वाले प्रश्न (Short answer questions)**	06
7	आलेख (Article)	08–28
8	विज्ञापन (Advertisement)	29–38
9	विवरणिका (Brochure)	39–47
10	लीफलेट (Leaflet)	48–56
11	मार्गदर्शिका (Guide)	57–65
12	नियमपुस्तिका (Manual)	66–69
13	प्रतिवेदन (Report)	70–75
14	निर्देश (Instructions)	76–81
15	**अभ्यास – 2 (Exercise -2)** **बहुविकल्पों का मिलान (Multiple matching)**	83–107
16	**अभ्यास – 3 एवं 4 (Exercise -3&4)** **टिप्पण एवं सारांश लेखन (Note making & Summary writing)**	109–133
17	सारांश लेखन के मानदंड	134
18	सारांश लेखन के लिए आई.जी.सी.एस.ई द्वारा निर्धारित मानदंड	135
19	लेखन कौशल (Writing skills)	137–138
20	**अभ्यास – 5 (Exercise -5)** **लेखन अभ्यास (Writing Exercise)**	139
21	ई–मेल लेखन (E-mail writing)	140–146
22	ई–मेल लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	147
23	ई–मेल लेखन के मानदंड	148
24	चित्र लेखन (Picture writing)	149–155
25	चित्र लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	156
26	चित्र लेखन के मानदंड	157
27	सूचना लेखन (Notice writing)	158–164

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका प्रतिवेदन लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिक

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका प्रतिवेदन लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध लेख
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका लेख

पठन एवं लेखन कौशल (Reading and writing skills)		
कमांक	**अभ्यास**	**पृष्ठ संख्या**
28	सूचना लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	165
29	सूचना लेखन के मानदंड	166
30	अनुच्छेद लेखन (Paragraph writing)	167–173
31	अनुच्छेद लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	174
32	अनुच्छेद लेखन के मानदंड	175
33	अभ्यास 5 के लिए आई.जी.सी.एस.ई द्वारा निर्धारित मानदंड	176–177
34	**अभ्यास – 6 (Exercise -6)** **विस्तृत लेखन अभ्यास (Extended writing Exercise)**	178
35	पत्र लेखन (Letter writing)	179–187
36	पत्र लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	188
37	पत्र लेखन के मानदंड	189
38	निबंध लेखन (Essay writing)	190–198
39	निबंध लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	199
40	निबंध लेखन के मानदंड	200
41	लेख लेखन (Article writing)	201–208
42	लेख लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	209
43	लेख लेखन के मानदंड	210
44	डायरी लेखन (Diary writing)	211–217
45	डायरी लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	218
46	डायरी लेखन के मानदंड	219
47	ब्लॉग(चिट्ठा) लेखन (Blog writing)	220–227
48	ब्लॉग लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	228
49	ब्लॉग लेखन के मानदंड	229
50	भाषण लेखन (Speech writing)	230–236
51	भाषण लेखन के लिए अतिरिक्त अभ्यास	237
52	भाषण लेखन के मानदंड	238
53	अभ्यास 6 के लिए आई.जी.सी.एस.ई द्वारा निर्धारित मानदंड	239–240
54	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र –1 (Sample Paper -1)	242–248
55	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र –2 (Sample Paper -2)	249–256
56	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र –3 (Sample Paper -3)	257–265
57	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र –1 Mark scheme	266
58	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र –2 Mark scheme	267
59	प्रतिदर्श प्रश्नपत्र –3 Mark scheme	269

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका प्रतिवेदन लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध लेख
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका लेख

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका प्रतिवेदन लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध लेख
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका लेख

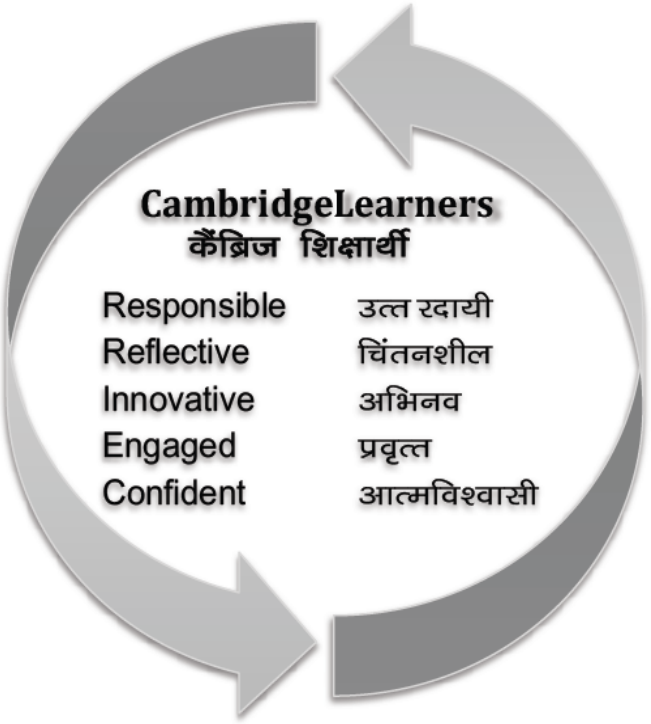

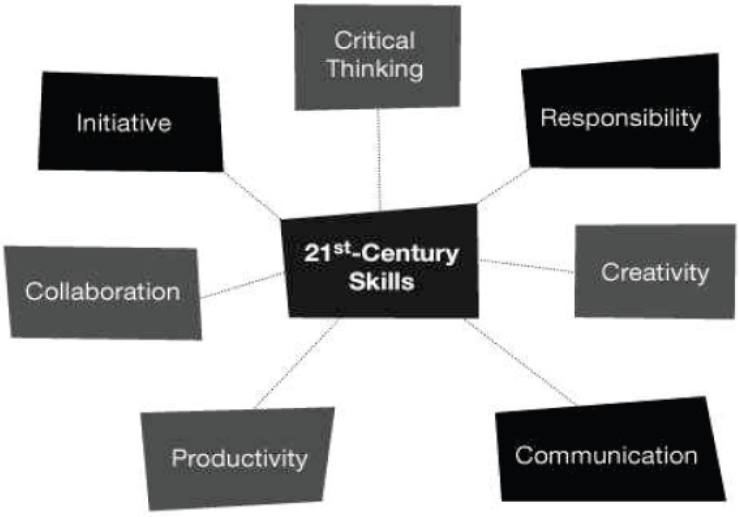

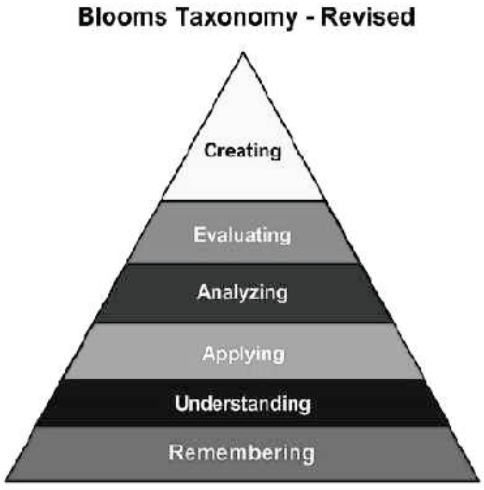

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका प्रतिवेदन लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध लेख
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका लेख

विषय सामग्री
Subject content

पठन (Reading) –

- सार्वजनिक सूचना और प्रतीक (समय सारिणी एवं विज्ञापन सहित) को समझें।
- मूलपाठ से सही विवरण को पहचानकर उसका चयन करना।
- मूलपाठ से प्रासंगिक जानकारी का चयन करके उसे व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करना।
- विभिन्न प्रकार के पाठों से संबंधित जानकारी का चयन करके उसे व्यवस्थित रूप दें। जोकि युवाओं के अनुभव एवं ब्लॉग, विवरणिका, ई–मेल, कल्पनाशील लेख, पत्र–पत्रिकाएँ, समाचार पत्र और विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लोगों की रूचि को दर्शाती हो।
- दिए गए पाठों में से कुछ विचार, राय और व्यवहार की पहचान करें।
- पाठ में निहित अप्रत्यक्ष तत्वों को समझें। जैसे– सारांश, राय, लेखक का उद्देश्य एवं आशय।
- विस्तारित लेखन में महत्वपूर्ण बिंदुओं एवं विषयवस्तु की पहचान करना।
- विस्तारित पाठांश से निष्कर्ष निकालना एवं पाठांश में से संबंधित विचारों के बीच संबंधों की पहचान करना।

लेखन (Writing) –

- संक्षिप्त एवं विस्तारित लेखन कार्यों में तथ्यात्मक जानकारी, विचार और तर्क संवादों को उपयुक्त एवं विशुद्ध हिंदी में संप्रेषित करना।
- दिए गए चित्र/ विचार/ राय / प्रतिक्रिया (written stimulus) पर दिए गए उद्देश्य एवं पाठकों को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त शैली एवं प्रारूप का प्रयोग करके लेखन कार्य करना। जैसे – सारांश, अनौपचारिक पत्र, ई–मेल, लेख, प्रतिवेदन अथवा समीक्षा।
- सटीक एवं प्रभावकारी तरीके से व्याकरणिक संरचनाओं, विराम चिह्नों एवं शब्दावली का प्रयोग करना।
- उचित शैली का प्रयोग करके राय व्यक्त करना।
- उचित कारकों का प्रयोग करते हुए जानकारी एवं विचारों को सुसंगत एवं सुव्यवस्थित रूप से अनुच्छेद में लिखना।

प्रश्नपत्र– 1 (पठन एवं लेखन)

सभी प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखने होंगे।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
सभी उत्तर प्रश्नपत्र में दिए गए खाली स्थानों में ही लिखने होंगे।
शब्दकोश का प्रयोग वर्जित है।

अभ्यास – 1 लघु उत्तर वाले प्रश्न
मुद्रित लघु सामग्री को पढ़कर प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर देने होंगे।
उदाहरण के लिए – विज्ञापन, विवरणिका, नियम पुस्तिका, मार्गदर्शिका, प्रतिवेदन, निर्देश, समाचार पत्र तथा पत्रिका के आलेख।
कुल अंक – 8

अभ्यास – 2 बहुविकल्पों का मिलान
विद्यार्थियों को अनुच्छेदों की एक श्रृंखला दी जाएगी। जिसे पढ़कर उत्तर देने के लिए उनके नीचे दिए गए अनुच्छेदों में से सही अनुच्छेद चुनकर उसके सामने के कोष्ठक में सही निशान लगाना होगा।
उदाहरण के लिए – बातचीत, साक्षात्कार, एकालाप, संस्मरण, औपचारिक वार्ता। **कुल अंक – 9**

अभ्यास – 3 टिप्पण लेखन
विद्यार्थियों को एक विषय सामग्री पढ़कर दिए गए शीर्षकों पर विषय सामग्री को आधार बनाकर टिप्पणी लिखनी होगी।
कुल अंक – 9

अभ्यास – 4 सारांश लेखन
विद्यार्थियों को अभ्यास 3 की विषय सामग्री के एक पहलू या पहलुओं के बारे में यथासंभव अपने शब्दों में 100 शब्दों का सारांश लिखना होगा। **कुल अंक – 10**

अभ्यास – 5 लेखन अभ्यास
विद्यार्थियों को 120 शब्दों में व्यावहारिक हिंदी से संबंधित लेखन कार्य करना होगा। उदाहरण – ई–मेल लेखन, अनुच्छेद लेखन, चित्र लेखन आदि। **कुल अंक – 08**

अभ्यास – 6 विस्तारित लेखन अभ्यास
विद्यार्थियों को 200 शब्दों में लेखन कार्य करना होगा।
उदाहरण – पत्र लेखन, निबंध लेखन, लेख लेखन, डायरी लेखन, ब्लॉग लेखन, भाषण लेखन, आदि। **कुल अंक – 16**

अभ्यास –1
Exercise -1

अभ्यास – 1 लघु उत्तर वाले प्रश्न

मुद्रित लघु सामग्री को पढ़कर प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर देने होंगे।

उदाहरण के लिए – विज्ञापन, विवरणिका, पुस्तिका, मार्गदर्शिका, प्रतिवेदन, निर्देश, समाचार पत्र अथवा पत्रिका के आलेख।

- **उद्देश्य –**
- गद्यांश में निहित भावों को समझ सकेंगे
- पढ़ने तथा समझने की शक्ति का विकास करना
- चिंतन एवं वैचारिक कौशल का विकास
- ज्ञान का विस्तार

इस अभ्यास में जो भी विधा शामिल की गई हैं। चाहे वह विज्ञापन हो या निर्देश या फिर प्रतिवेदन। सभी अपठित गद्यांश के रूप में दिए जाएँगें जिन्हें पढ़कर संक्षिप्त उत्तर लिखने होंगे। न कि आप को कोई विज्ञापन या विवरणिका आदि बनानी होगी। अपितु पुस्तक में विज्ञापन, विवरणिका, मार्गदर्शिका, प्रतिवेदन आदि को आलेख के रूप में प्रस्तुत करने के अलावा लेखन कला को विकसित करने के लिए कुछ उदाहरण के माध्यम से समझाया गया है कि हम इन विधाओं को कैसे लिख सकते हैं। जो कि अभ्यास 6 में उपयोगी साबित होगी।

अभ्यास –1 (Exercise -1)

आलेख –

1– जल संक्रमण से बचने के ये हैं सबसे आसान उपाय
2– बदल रहा लखनऊ
3– जल्द ही आने वाला है एंड्रौयड इलैक्ट्रिक स्कूटर
4– खूब डिमांड में हैं चंदन की खुशबू वाले टिकट
5– 9 साल का बच्चा एलियंस से बचाना चाहता है धरती, नासा से माँगी नौकरी
6– 12 अगस्त की रात को रोशन होगा आसमान, जानिए क्यों ?
7– ओह तो ये है उसैन बोल्ट की बिजली जैसी रफ्तार का सीक्रेट
8– वाहन चलाने के दौरान मोबाइल पर बात करना हो सकता है घातक
9– बिना पैसे दिए रेस्तरां में खाओ खाना, पर .....
10–उबर ने नासा से मिलाया हाथ, जल्द आएगी उड़ने वाली टैक्सी

विज्ञापन

1– संजीवनी पत्रिका
2– विशाखा ट्रांसपोर्ट
3– पंचमढ़ी

विवरणिका

1– सूर्य
2– कंप्यूटर एक जरूरत
3– ध्यान

लीफलेट

1– व्यापारी मेला
2– मॉडल
3– रामेश्वर भोजनालय

मार्गदर्शिका

1–बूँद–बूँद से भरे समुंदर
2–पैसों की बचत
3–बारिश में घूमने–फिरने

नियमपुस्तिका

1– ग्रेट विज़न

प्रतिवेदन

1– सरस्वती विद्यालय
2– हिंदी प्रचार–प्रसार परिषद

निर्देश

1– बर्ड फ्लू समस्या और समाधान
2– गर्मी–गर्मी–गर्मी

आलेख
(Article)

उद्देश्य –

इस अभ्यास को पढ़ने के बाद आप –

- आलेख की परिभाषा से परिचित हो सकेंगे।
- आलेख के प्रकारों को समझ सकेंगे।
- आलेख पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।
- प्रश्नपत्र में उत्तर संबंधी विशेष निर्देशों को समझ सकेंगे।

आइए जानते हैं आलेख के बारे में –

आलेख किसे कहते हैं ?

सामान्यतः किसी एक विषय पर विचार प्रधान छोटी–सी रचना को आलेख कहते हैं।

इसमें तथ्यात्मक, विश्लेषणात्मक और विचारात्मक संपूर्ण जानकारी होती है। इसे हम निबंध का संक्षिप्त रूप भी कह सकते हैं। लेकिन भाषा तथा अंग के आधार पर आलेख निबंध से अलग होता है। सामान्यतः एक परिच्छेद में एक ही भाव व्यक्त होता है एवं विचारों की स्पष्टता रहती है।

आलेख से सम्बन्धित प्रश्नों को हल करने के पूर्व की सावधानियाँ–

1– सर्व प्रथम गद्यांश से सम्बन्धित पूछे गए प्रश्नों को ध्यान से पढ़ें।
2– तत्पश्चात गद्यांश को ध्यानपूर्वक दो बार पढ़ें।
3– पहली बार पढ़ते समय शीघ्रता नहीं करनी चाहिए। पहली बार पढ़ते समय यह समझने की कोशिश करनी चाहिए कि यह किस बारे में है। लेखक किस बात पर ज़ोर देना चाहता है।
4– दूसरी बार पढ़ते समय आलेख तथा प्रश्न भाग को समझते हुए एक–एक प्रश्न को क्रमशः दोबारा पढ़ना और समझना आरंभ कर देना चाहिए।
5– प्रश्नों से सम्बन्धित अंश, कठिन शब्दों व वाक्यों को पेन्सिल से चिन्हांकित करें।
6– पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में संक्षेप में दें।

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका प्रतिवेदन लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध लेख
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका लेख

एक उदाहरण

महात्मा गाँधी

– दादा मस्तराम

'गाँधीजी' से संबंधित आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

गाँधी जी का नाम लेते ही हमारे सामने सफेद खादी धोती लपेटे, सादी चप्पल पहने, एक दुबले पतले इंसान की तस्वीर उभरती है। लेकिन इस साधारण दिखने वाले व्यक्ति ने सत्य और अहिंसा के दो असाधारण हथियारों से शक्तिशाली अंग्रेजी साम्राज्य के विरूद युद्ध लड़ा और अंत में अंग्रेज़ों की गुलामी से भारत को स्वतंत्रता दिलाई।
गाँधी जी 'सादा जीवन और उच्च विचार' में विश्वास रखते थे और सभी धर्मों का सम्मान करते थे। वे नियमपूर्वक व्रत रखते थे। उनके अनुसार व्रत और परिश्रम से शरीर शुद्ध होता है और स्वस्थ्य रहता है। वे चरखे द्वारा स्वयं सूत कातकर अपने कपड़े बनाते थे और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करते थे।
गाँधी जी के नैतिक बल, अहिंसा पर विश्वास और दृढ़–निश्चय से दूसरों को भी सच्चाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती थी। उदाहरणार्थ उनके दक्षिण अफ्रीका के प्रवास के समय भारतीयों के लिए हर समय अपने साथ परिचय–पत्र लेकर चलना अनिवार्य था। इस पक्षपातपूर्ण कानून के विरूद्ध गाँधी जी ने आंदोलन किया और उनके प्रोत्साहित करने पर सभी भारतीयों ने अपने परिचय–पत्र जला दिए। उन सब पर पुलिस के डण्डे बरसते रहे पर वे परिचय–पत्र जलाते रहे। अंत में अंग्रेजी शासकों को यह कानून रद्द करना पड़ा। भारत को ही नहीं, संपूर्ण मानवता को एक आदर्श के रूप में इस महान चिंतक तथा महात्मा का वरदान मिला था।

प्रश्न 1– गाँधी जी का नाम सुनते ही हमारे समक्ष उनकी कैसी तस्वीर उभरती है? (1)
उत्तर – सफेद खादी धोती लपेटे, सादी चप्पल पहने, पतले–दुबले इंसान की।

प्रश्न 2– गाँधी जी ने किन दो अहिंसक हथियारों से अंग्रेज़ों के विरूद्ध स्वतंत्रता दिलाई? (1)
उत्तर – सत्य और अहिंसा।

प्रश्न 3– गाँधी जी किस प्रकार की जीवन शैली में विश्वास रखते थे? (1)
उत्तर – वे सादा जीवन जीने और उच्च विचारों में विश्वास रखते थे।

प्रश्न 4– व्रत के प्रति उनका क्या दृष्टिकोण था? (1)
उत्तर – व्रत करने से शरीर शुद्ध और स्वस्थ रहता है।

प्रश्न 5– गाँधी जी के चरित्र की दो प्रमुख बातें कौन सी थी? (कोई दो) (1)
उत्तर – सादगी भरा जीवन और नैतिक बल।

प्रश्न 6– वे दूसरों को किस प्रकार प्रेरित करते थे? (1)
उत्तर – स्वयं सादगी भरा जीवन जीकर वे दूसरों को प्रेरित करते थे।

प्रश्न 7– दक्षिण अफ्रीका के किस कानून के विरूद्ध गाँधी जी ने आवाज़ उठाई और उसका क्या परिणाम हुआ? (2)
उत्तर – भारतीयों को हर समय परिचय–पत्र अपने पास रखने वाले कानून के विरूद्ध उन्होंने आवाज़ उठाई। सभी ने अपने परिचय–पत्र जला दिए। जिससे अंत में अंग्रेजी सरकार को झुकना पडा और कानून रद्द करना पड़ा।

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध लेख

लीफलेट
(Leaflet)

उद्देश्य –

इस अभ्यास को पढ़ने के बाद आप –

- लीफलेट के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- लीफलेट के उपयोग के बारे में जान सकेंगे।

क्या आपने अपने समाचारपत्र के साथ वितरित किया जाने वाला कागज का पन्ना देखा है? अगर आपने गौर किया हो तो इस पन्ने में आपके आस–पास के क्षेत्र में खुलने वाले किसी स्कूल, दुकान, रेस्तरां आदि के बारे में जानकारी दी जाती है। इनका क्षेत्र बहुत ही सीमित होता है। ये घर–घर जाकर भी बाँटें जाते हैं। कई बार जागरूकता फैलाने के लिए भी इनका प्रयोग किया जाता है। यह प्रचार–प्रसार का सबसे सस्ता माध्यम है।

दूसरे शब्दों में कहें तो –

लीफलेट एक ऐसा पृष्ठ (कागज़) है जिसे जानकारी के प्रसार एवं प्रचार के लिए तथा उत्पाद के विज्ञापन हेतु निःशुल्क बाँटा जाता है।

परिचर्चा

सूर्य एवं तारामण्डल के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करते हुए अपने मित्रों से चर्चा कीजिए। (आधार : विवरणिका 1)

CambridgeLearners – Engaged &confident
21st Century skills – collaboration&communication

साहित्यिक विमर्श

'पानी' के महत्व को दर्शाती बाबा नागार्जुन की 'अकाल और उसके बाद' कविता पढ़िए। (आधार : मार्गदर्शिका 1)

CambridgeLearners – Confident & Responsible
21st Century skills – Initiative&Responsibility

परियोजना कार्य

लखनऊ शहर की मार्गदर्शिका बनाइए। (आधार : विवरणिका 1)

CambridgeLearners – Innovative &Engaged
21st Century skills – Initiative&Creativity

विचार लेखन

वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करना चाहिए। इससे संबंधित निर्देश तैयार कीजिए। (आधार : आलेख 8)

CambridgeLearners – Responsible & Reflective
21st Century skills – Initiative&Creativity

विचाराभिव्यक्ति

हिंदी भाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के निर्देशक को पत्र लिखिए। (आधार : प्रतिवेदन 2)

CambridgeLearners – Reflective&Engaged
21st Century skills – Criticalthinking &communication

क्रियाकलाप / गतिविधि

विविध डाकटिकटों को संग्रहित करके उनके इतिहास के बारे में जानिए। (आधार : आलेख 4)

CambridgeLearners – Engaged&Confident
21st Century skills – Initiative&Collobaration

5– किराने के बिल का योग करने से हम बच्चे को क्या सिखा सकते हैं ? (1)

6– बोर्ड गेम्स किस प्रकार लाभदायक है ? (2)

7– मनी कप्स खेलने के पीछे क्या उद्देश्य है ? (1)

मार्गदर्शिका – 3

बारिश में घमूने–फिरने का मज़ा ही कुछ और है.....

तपती गर्मी के बाद बारिश की पहली बौछार से किसी को भी प्यार हो सकता है। भीषण गर्मी के बाद जब मानसून की पहली फुहार पड़ती है, तो पेड़ पौधों, जीवजंतुओं से लेकर मनुष्यों तक सभी खुश हो जाते हैं। 1

हालांकि मानसून की बौछार का मजा ही अलग होता है। इस मौसम में चाय–पकौड़े खाना, भीगना और दोस्तों के साथ घूमना हर किसी को पसंद होता है। यह कहना गलत नहीं होगा की बारिश का मौसम एक ऐसा मौसम है जब प्रकृति का असल रूप और सुंदरता देखने को मिलती है। बारिश में घूमना रूमानी और उत्साहित करने वाला एहसास है।

बारिश में रुमानियत तो है साथ ही मस्ती से जुड़ी कुछ परेशानी भी। बारिश में घूमने से पहले कुछ तैयारियाँ करनी पड़ती है। इसलिए आज हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं जिन्हें ध्यान में रख कर लें मानसून में घूमने का मजा।

2

7– बताता है कि यह हमें 'माउथफील' का एहसास कराता है।
A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

8– बताता है कि इसे खाने के बाद दिव्य अनुभूति का एहसास होता है।
A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

9– बताता है कि कई अन्य प्रदेश भी इस पर अपना दावा करते हैं।
A ☐ B ☐ C ☐ D ☐

'बच्चों की परवरिश में न बरतें लापरवाही' नीचे दिए गए इस लेख को ध्यान से पढ़िए। प्रश्न 1 से 9 का उत्तर देने के लिए उनके नीचे दिए गए अनुच्छेद (A-D) में से सही अनुच्छेद चुनकर उसके सामने के कोष्ठक में सही का निशान लगाए।

'बच्चों की परवरिश में न बरतें लापरवाही'

A यह बदलाव का वह दौर है जिस में गाँव देहात से बड़ी तादाद में बेहतर जिंदगी और सहूलियतों के लिए लोग शहर की तरफ भाग रहे हैं। इस भागम–भाग से किसे क्या हासिल होता है, यह अलग बात है। पर एक अच्छी बात इसमें यह है कि छोटे और गरीब तबके के लोग भी बच्चों की अहमियत समझते हुए उन्हें बेहतर तालीम दिलाने के लिए जीजान से कोशिश करते हैं और परवरिश पर भी खूब ध्यान देते हैं। परेशानी उन लोगों को उठानी पड़ रही है जिनकी महीने की आमदनी मात्र 5–6 हजार रुपए के आसपास है। यह तबका शहरी आबादी का तकरीबन 40 फीसदी है। गृहस्थी चलाने और बच्चे पालने के लिए मियाँ–बीवी दोनों को हाड़तोड़ मेहनत करनी पड़ती है तब कहीं जाकर उनका गुजारा हो पाता है। जैसे–जैसे इन के बच्चे बड़े होते हैं वैसे–वैसे खर्चे भी बढ़ने लगते हैं। इन गरीब बच्चों की बदहाली कभी किसी सुबूत की मुहताज नहीं रही। इनमें और अमीर बच्चों में इकलौती समानता यह है कि दोनों के माँ–बाप दिन में घर पर नहीं रहते। काम या नौकरी पर चले जाते हैं। अमीर तो बच्चों की देखभाल के लिए नौकर रख लेते हैं पर गरीब नहीं रख पाते। लिहाजा, उनके बच्चे प्रकृति के भरोसे पलते हैं और यह भरोसा अक्सर महँगा साबित होता है जिसमें बच्चों का कोई कुसूर नहीं होता।

B किसी का ध्यान इस तरफ नहीं जा रहा है कि माँ–बाप भी बच्चों की तरफ से इतने लापरवाह हो चले हैं कि कई दफ़ा बच्चों की जान पर बन आती है और देखने–सुनने व भुगतने वाले तक इसे एक हादसा समझ कर अहम गलती ढँक लेते हैं। एक दुखद हादसा भोपाल के कोटरा सुल्तानाबाद इलाके की गंगानगर बस्ती की 3 बच्चियों की 25 अप्रैल को हुई मौतों का है। 7 वर्षीय शालिनी उर्फ शालू, 7 वर्षीय सुभाषिनी और 9 वर्षीय कमला। अपने घर वालों के साथ नेहरूनगर इलाके गई थीं जहाँ एक सरकारी योजना के तहत बन रहे मकान इन्हें मिलने थे। इनके साथ इनकी 2 और सहेलियाँ, रेशमा और निर्जला भी थीं। साथ आए लोग तो मिलने वाले घर को देख आने वाले कल के सुनहरे ख्वाबों में डूब गए कि उन्हें जल्द पक्का मकान मिल जाएगा जिसमें सारी सुविधाएँ होंगी पर पाँचों बच्चियाँ खेलते–बतियाते नजदीक ही

टिप्पणी लेखन की प्रक्रिया –

गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़े

⇩

टिप्पणी में पूछी गई जानकारी को पूरे गद्यांश में ढूँढ़ने का प्रयास करें

⇩

उदाहरणों एवं अलंकारिक शब्दों को छोड़ें

⇩

विषयानुसार एवं भावानुसार उसे क्रमबद्ध कीजिए

⇩

अपनी भाषा में टिप्पणी लिखें

सारांश लेखन

किसी गद्यांश जैसे लेख, सूचना, पत्र, विवरण आदि के मुख्य भाव या विचार को छोड़े बिना उसमें निहित तथ्यों को सरल एवं सुबोध भाषा एवं संक्षेप में लिखना सार कहलाता है। अंग्रेजी के 'summary' शब्द का हिन्दी रूपान्तर सारांश है। आधुनिक युग में समय के अभाव के कारण लोगों के पास इतने मोटे–मोटे उपन्यास आदि को पढ़ने का समय नहीं होता। अतः ऐसे समय में सारांश की महत्ता और बढ़ जाती है। सार लिखते समय मूल अंश के समस्त मुख्य तत्वों को ठोस रूप में प्रस्तुत करना महत्त्वपूर्ण होता है। सारांश में विषय के सभी अंशों को संक्षेप में दिखाया जाता है और अनुपयोगी अंशों का निकाल दिया जाता है। सारांश लेखन करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सार लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य महत्त्वपूर्ण बिंदु–

1. जिस गद्यांश का सार लिखना है उसे ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझने का प्रयत्न करें। यदि एक बार में पूरी तरह समझ न आए तो दोबारा पढ़ें।
2. गद्यांश के मुख्य भाव को समझें।
3. गद्यांश में आए वे महत्त्वपूर्ण अंश और शब्द रेखांकित कर लें जिनके आधार पर सार लिखा जा सकता है।
4. सार लिखते समय गद्यांश में आए उदाहरण, सन्दर्भ आदि को छोड़ देना चाहिए।
5. लिखे हुए सार को एक उपर्युक्त शीर्षक भी देना चाहिए।
6. प्रसंग बदलने के साथ–साथ अनुच्छेद भी बदलना चाहिए।
7. सारांश में क्रमबद्धता होनी चाहिए।
6. सार लिखते समय मूल गद्यांश की भाषा को न अपनाकर अपने शब्दों में लिखने का प्रयास करना चाहिए।
7. सार लिखते समय सरल,सहज भाषा और छोटे–छोटे वाक्यों वाली शैली के प्रयोग से सार प्रभावशाली बन जाता है।
8. सारांश को सदैव 'ThirdPerson' अन्य पुरूषवाचक में लिखना चाहिए।
9. सार–लेखन के लिए एकाग्रता,स्पष्टता, तीव्र पढने और समझने की क्षमता तथा भाषा पर अधिकार जैसे गुण अनिवार्य हैं।

3

'ब्रह्मपुत्र' आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

नदियाँ भारतीय संस्कृति का एक हिस्सा है। भारतीय संस्कृति में नदियों को पवित्र एवं उच्च स्थान प्राप्त है। यहाँ नदियों को देवी मानकर उनकी पूजा की जाती है। इसके पीछे कई पौराणिक कथाएँ है। दूसरा कारण यह है कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। खेतों को सींचने के लिए जल की आवश्यकता होती है। यह जल उन्हें नदियों से प्राप्त होता है। जल की यही महत्ता नदियों को देवी स्वरूपा रूप प्रदान करती है। यह महत्ता आजकल से नहीं बल्कि सदियों से चली आ रही है। लगभग सभी ग्रंथों में इसका वर्णन देखने को मिलता है।

जहाँ सभी नदियों को स्त्री के रूप में पूजा जाता है वहीं इन सभी नदियों के बीच एक ऐसी नदी भी है, जिसे पुरुष माना जाता है। इस नदी का नाम है – ब्रह्मपुत्र। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है ब्रह्मपुत्र अर्थात् ब्रह्मा का पुत्र। भारत की अधिकतर नदियाँ जहाँ शान्त एवं धीमे बहती है। वहीं ब्रह्मपुत्र बहुत ही तेज़ गति से बहती है तथा हमेशा उफ़ान पर रहती है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि ब्रह्मपुत्र की चौडाई दस किलोमीटर तक है। डिब्रूगढ़ में तो इसकी चौड़ाई सभी रिकॉर्डो को तोड़कर 16 किलोमीटर तक पहुँच गई है। नदी में असंख्य द्वीप है। इन द्वीपों में सबसे महत्वपूर्ण द्वीप 'मझौली' द्वीप है। कुछ लोग इसे 'माझुली' के नाम से भी जानते हैं। यह द्वीप लगभग 1250 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। ऐसा माना जाता है कि यह संसार का सबसे बड़ा द्वीप है। इस द्वीप से ही महान संत और समाज सुधारक शंकर देव जी ने वैष्णव संप्रदाय की शुरूआत की। आज यह भारत का प्रतिस्थापित धर्म बन चुका है।

ब्रह्मपुत्र राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय नदी है। इसका उद्गम स्थान तिब्बत में हिमालय की कैलाश पर्वत श्रृंखला में है। जो मानसरोवर झील के समीप है। पंजाब में बहने वाली सिन्धु और सतलज नदी भी इस क्षेत्र से निकलती है। इस स्थल से सागर तल की ऊँचाई 5,150 मीटर है।

ब्रह्मपुत्र का जलग्रहण क्षेत्र उत्तर में हिमालय, पूर्व में असम–म्यांमार सीमा पर फैली परकटी पर्वत श्रृंखला, पश्चिम में हिमालय और पहाड़ी क्षेत्र से घिरा है। भारत की बात करें तो मेघालय, असम, अरूणाचल प्रदेश, नागालैण्ड़, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और सिक्किम तक फैला हुआ है। इसमें सबसे बड़ा क्षेत्र अरूणाचल प्रदेश में है। और सबसे छोटा सिक्किम में है। यह कहना अतिश्योक्ति नही होगा कि भारत में गंगा के बाद किसी नदी का विशेष महत्व है तो वह है ब्रह्मपुत्र।

'ब्रह्मपुत्र' आलेख के आधार पर नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्षक के अंतर्गत संक्षिप्त नोट लिखें।

1– भारतीय संस्कृति में नदियों का स्थान (1)

2– पौराणिक कथाएँ (1)

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका प्रातवदन लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका ले

3– अन्य नदियों की तुलना में ब्रह्मपुत्र (1)

4– मझौली द्वीप (1)

5– वैष्णव संप्रदाय का प्रारम्भ (2)

6– अंतर्राष्ट्रीय नदी (1)

7– ब्रह्मपुत्र का जलग्रहण क्षेत्र (1)

'ब्रह्मपुत्र' इस आलेख में अपने बनाए नोट्स के आधार पर 100 शब्दों में सारांश लिखिए। सारांश यथासंभव अपने शब्दों में लिखें।

आपको अंर्तवस्तु के लिए अधिकतम 4 अंक और सटीक एवं संक्षिप्त भाषा–शैली के लिए 6 अंक दिए जाएँगें।

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध

सारांश लेखन के लिए आई.जी.सी.एस.ई द्वारा निर्धारित मानदंड

कुल अंक – 10 जिसमें 4 अंक विषय सामग्री एवं 6 अंक संक्षिप्त एवं सटीक भाषा–शैली के लिए निर्धारित किए गए हैं।

विषय सामग्री (Content) :

4 अंक – प्रश्न का उत्तर देने वाले 4 बिंदु स्पष्ट हैं।
3 अंक – प्रश्न का उत्तर देने वाले 3 बिंदु स्पष्ट हैं।
2 अंक – प्रश्न से संबंधित 1 या 2 बिन्दु उत्तर में शामिल हैं।
1 अंक – विषय सामग्री का प्रश्न से संबंध सीमित है।
0 अंक – विषय सामग्री का प्रश्न से संबंध न होना।

मुख्य बिंदुओं की सूची :

आठ मुख्य बिन्दु दिए जाएँगें जिनमें से कोई 6 आपके सारांश में होने चाहिए।

भाषा (Language) :

6 अंक – अपने शब्दों का उपयोग करते हुए व्यवस्थित क्रम में प्रस्तुत करते हुए एक संक्षिप्त सारांश लिखने का बहुत अच्छा प्रयास। शब्दावली एवं व्याकरणिक संरचनाओं की विस्तृत श्रृंखला का सटीक प्रयोग। वर्तनी एवं विराम चिह्नों का यथानुरूप प्रयोग।

5 अंक – अपने शब्दों का उपयोग करते हुए व्यवस्थित क्रम में प्रस्तुत करते हुए एक संक्षिप्त सारांश लिखने का अच्छा प्रयास। शब्दावली एवं व्याकरणिक संरचनाओं की विस्तृत श्रृंखला का सटीक प्रयोग। वर्तनी एवं विराम चिह्नों का यथानुरूप प्रयोग।

4 अंक – अपने शब्दों का उपयोग करते हुए व्यवस्थित क्रम में प्रस्तुत करते हुए एक संक्षिप्त सारांश लिखने का उचित प्रयास। शब्दावली एवं व्याकरणिक संरचनाओं की विस्तृत श्रृंखला का ठीक प्रयोग। कुछ त्रुटियों के साथ वर्तनी एवं विराम चिह्नों का प्रयोग किंतु अर्थ स्पष्ट था।

3 अंक – अपने शब्दों में लिखने के स्थान पर पाठ की भाषा का सीमित उपयोग करना। किंतु व्यवस्थित क्रम में प्रस्तुत करते हुए एक संक्षिप्त सारांश लिखने का प्रयास। भाषा का संतोषजनक प्रयोग। हालाँकि कभी–कभी अर्थ–बोध में बाधा।

2 अंक – अपने शब्दों में लिखने के स्थान पर पाठ की भाषा का बहुत उपयोग करना। शब्दावली एवं व्याकरणिक संरचनाओं में त्रुटि। त्रुटियों के साथ वर्तनी एवं विराम चिह्नों का प्रयोग। अधिकतर अर्थ स्पष्ट नहीं हो सका।

1 अंक – पाठ की भाषा को ज्यों का त्यों उतार देना। शब्दावली एवं व्याकरणिक संरचनाओं में त्रुटि। त्रुटियों के साथ वर्तनी एवं विराम चिह्नों का प्रयोग।

0 अंक – भाषा अंक देने के योग्य नहीं।

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका प्रतिवेदन लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध लेख
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका लेख

सारांश लेखन के सामान्य मानदंड

	4	3	2	1
मुख्य विचार	प्रथम वाक्य में गद्यांश के मुख्य वाक्य को पूर्ण रूप से स्पष्ट करना।	प्रथम वाक्य में गद्यांश के मुख्य वाक्य का केवल समावेश करना।	प्रथम वाक्य में गद्यांश के मुख्य वाक्य का अस्पष्ट रूप से समावेश करना।	प्रथम वाक्य में गद्यांश के मुख्य वाक्य का समावेश न करना।
महत्वपूर्ण बिंदुओं का समावेश	गद्यांश में दिए गए सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं का समावेश करना।	गद्यांश में दिए गए अधिकतर महत्वपूर्ण बिंदुओं का समावेश करना।	गद्यांश में दिए गए कुछ बिंदुओं का समावेश करना।	गद्यांश में दिए गए सिर्फ एक दो बिंदुओं को ही शामिल करना।
तार्किक क्रम	गद्यांश के महत्वपूर्ण बिंदुओं को अर्थ तथा समझ के आधार पर उचित क्रम में प्रस्तुत करना।	गद्यांश के महत्वपूर्ण बिंदुओं को उचित क्रम में प्रस्तुत करना।	गद्यांश के महत्वपूर्ण बिंदुओं को क्रम में प्रस्तुत करना। किंतु अर्थबोध स्पष्ट न होना।	गद्यांश के महत्वपूर्ण बिंदुओं में क्रमिकता का अभाव।
प्रवाहिता	स्वयं के शब्दों में लिखा गया सारांश एवं वाक्य–रचना में प्रवाहिता।	स्वयं के शब्दों में लिखा गया सारांश किंतु वाक्य संगठनात्मकता के अभाव में प्रवाहिता में कमी।	गद्यांश तथा स्वयं के शब्दों में लिखा गया सारांश किंतु वाक्य संगठनात्मकता के अभाव में प्रवाहिता में रुकावट।	गद्यांश के शब्दों की सहायता से लिखा गया सारांश जिसमें प्रवाहिता का अभाव
समापन	अंत में मुख्य विचार को शामिल करते हुए प्रभावकारी रूप में समापन।	अंत में मुख्य विचार को शामिल करते हुए उचित रूप में समापन।	अंत में मुख्य विचार को शामिल करते हुए समापन।	अंत में मुख्य विचार को शामिल न करते हुए समापन

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध लेख
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका लेख

एक उदाहरण

द्वारा : principal@globalschool.com } ई–मेल भेजने वाले का ई–मेल आई.डी

प्रति : info.kavaneducation.com } जिसे ई–मेल भेजा जा रहा है उसका ई–मेल आई.डी

दिनांक : 20 दिसम्बर 2017 } उस दिन की तारीख जिस दिन ई–मेल भेजा जा रहा है

विषय : आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए हिंदी पुस्तकों की आवश्यकता } ई–मेल का विषय

महोदय, } संबोधन

आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए निम्नलिखित पुस्तकें भेजकर अनुग्रहीत करें। कृपया भेजने से पूर्व देख लें कि पुस्तकें कटी–फटी न हो। पुस्तकें भारतीय डाक सेवा के माध्यम से ही भेजें।

पुस्तक का नाम	प्रतियाँ	लेखक
1– हिंदी द्वितीय भाषा के रूप में –1	25	डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
2– हिंदी द्वितीय भाषा के रूप में –2	22	डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
3– श्रवण एवं अभिव्यक्ति कौशल –1	23	डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
4– श्रवण एवं अभिव्यक्ति कौशल –2	23	डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
5– भाषा उन्नयन	15	डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
6– भाषा सृजन	33	डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
7– भाषा तरूण – 6	31	डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
8– भाषा तरूण – 7	38	डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
9– भाषा तरूण – 8	34	डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
कुल पुस्तकें	244	

भवदीय } अभिनिवेदन

पुष्पेंद साहनी } ई–मेल लिखने वाले का नाम
प्रधानाचार्य
ग्लोबल स्कूल
23, विजय नगर
अंधेरी,पश्चिम
मुंबई
दूरभाष – 1234567890 } ई–मेल लिखने वाले का पता

$

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका प्रतिवेदन लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध ले
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका ले

5– नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए तथा चित्र के आधार पर 120 शब्दों में वर्णन कीजिए।

Understanding
बोध

- पंगत में बैठकर खान–पान के लाभ
- भारतीय पारंपरिक भोजन
- लुप्त होती व्यवस्था

आपको 3 अंक अंतर्वस्तु के लिए और 5 अंक सटीक भाषा एवं शैली के लिए दिए जाएँगे।

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका प्रतिवेदन लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध लेख
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका लेख

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र – 2

अभ्यास – 1

दिये गये निर्देश को पढिए तथा नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (09)

- परीक्षा भवन में सभी जरूरी वस्तुएँ लेकर आएँ। जैसे– पेन, रबर, कटर आदि।
- अपना बस्ता तथा गैरजरूरी वस्तुएँ परीक्षा कक्ष के बाहर रख दें।
- पहले 15 मिनट प्रश्नपत्र को पढ़ने के लिए दिए जाएँगे। याद रहें इस समय के दरिम्यान आप लिख नहीं सकते।
- प्रश्नपत्र के बाँयी ओर लिखा समय उत्तर लिखने का समय है।
- परीक्षा शुरू होने के 15 मिनट बाद आए हुए विद्यार्थियों को परीक्षा नहीं देने दी जाएगी।
- अपनी मुख्य उत्तर–पुस्तिका के साथ अन्य कागज़, नक्शा आदि मजबूती से जोड़ दें।
- प्रश्नपत्र पर कुछ न लिखें।
- परीक्षा में नकल करने वाले विद्यार्थियों तथा नियमों को भंग करने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा भवन से बाहर निकाल दिया जाएगा तथा नियमानुसार कार्रवाही की जाएगी।
- परीक्षा भवन में बातचीत करना मना है। बातचीत करते समय पकड़े जाने पर परीक्षक का निर्णय अन्तिम होगा।
- परीक्षा भवन को छोड़ने से पहले उत्तरपुस्तिका परीक्षक को देना अनिवार्य है।
- परीक्षार्थी किसी अन्य परीक्षार्थी से पेन, रबर जैसी किसी भी प्रकार की कोई भी वस्तु नहीं ले सकते हैं।

1– परीक्षा भवन में जाने से पहले कौन–कौन सी जरूरी वस्तुएँ आपको साथ ले जानी चाहिये ? **(1)**

2– हमें अपना बस्ता कहाँ रखना होगा ? शुरुआती 15 मिनट किसलिए आरक्षित किये गये हैं ? **(2)**

3– किन विद्यार्थियों को परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा ? **(1)**

4– मुख्य उत्तर–पुस्तिका सौंपने से पहले किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? **(1)**

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका

लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध लेख
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका लेख

सूचना लेखन का प्रारूप

1. सबसे पहले ऊपर केन्द्र में शीर्षक के रूप में 'सूचना' लिखा जाना चाहिए।
2. सूचना के नीचे जिस विषय से सम्बन्धित सूचना देनी है वह विषय।
3. दी जाने वाली सूचना का लेखन
4. दिनाँक
5. सूचना देने वाले का पद
6. सूचना देने वाले का नाम
7. यदि आवश्यक हो तो सूचना देने वाले का पता

एक उदाहरण

नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए तथा चित्र के आधार पर 120 शब्दों में वर्णन कीजिए।

आप हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष हैं। आपके विद्यालय में आयोजित हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए एक सूचना पत्र लिखिए।

गैलेक्सी स्कूल
राजकोट

नोटिस ज़ारी करने वाली संस्था का नाम

सूचना

मुख्य पंक्ति (Heading)

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी काव्यपाठ स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के नाम सादर आमंत्रित है।

दिनाँक – 14 सितम्बर 2018
समय – प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक
स्थान – विद्यालय सभागार
विषय – हिंदी काव्यपाठ

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम 11 सितम्बर 2018 तक वरिष्ठ शिक्षक श्री राजेश पटेल जी को लिखवा दें। कविता का चयन समिति करेगी। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 1001 रूपए, द्वितीय स्थान के लिए 501 तथा तृतीय स्थान के लिए 251 रूपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। काव्यपाठ में सम्मिलित सभी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा।

विषयवस्तु (Main body)

8 सितम्बर 2018

सूचना की तारीख

विभागाध्यक्ष
डॉ अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर

सूचना देने वाले व्यक्ति का पद

सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका प्रतिवेदन लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध लेख
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका लेख

Exercise 4 (अभ्यास –4)

Que	Answer	Marks	Guidance
22	कुल अंक – 10 जिसमें 4 अंक विषय सामग्री एवं 6 अंक संक्षिप्त एवं सटीक भाषा–शैली के लिए निर्धारित किए गए हैं। निर्धारित मानदंडों की जानकारी के लिए पृष्ठ संख्या 135 को देखें। **मुख्य बिंदुओं की सूची :** ▪ भारत में सभी धर्मों को महत्व दिया जाता है। ▪ बड़े दिन की खुशियाँ पूरे विश्व में मनाई जाती है। ▪ सप्ताह भर इस त्यौहार की धूम रहती है। ▪ ईसामसीह के जन्म के समय बहुत से मुश्किलें आईं। ▪ माता–पिता द्वार कष्ट भोगना ▪ ईसामसीह का उपदेश	10	

Exercise 5 (अभ्यास –5)

Que	Answer	Marks	Guidance
23	कुल अंक – 8 जिसमें 3 अंक विषय सामग्री एवं 5 अंक सटीक भाषा–शैली के लिए निर्धारित किए गए हैं। निर्धारित मानदंडों की जानकारी के लिए पृष्ठ संख्या 176 को देखें।	8	

Exercise 6 (अभ्यास –6)

Que	Answer	Marks	Guidance
24	कुल अंक – 16 जिसमें 8 अंक विषय सामग्री एवं 8 अंक सटीक भाषा–शैली के लिए निर्धारित किए गए हैं। निर्धारित मानदंडों की जानकारी के लिए पृष्ठ संख्या 239 को देखें।	16	

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र – 2

उत्तरमाला

Exercise 1 (अभ्यास –1)

Que	Answer	Marks	Guidance
1	सभी जरूरी वस्तुएँ जैसे – पेन, रबर आदि	1	
2	परीक्षा कक्ष के बाहर। प्रश्नपत्र को पढ़ने के लिए।	2	
3	परीक्षा शुरू होने के 15 मिनट बाद आए विद्यार्थियों को	1	
4	कागज़, नक्शा आदि उत्तरपुस्तिका के साथ जुड़ा है या नहीं।	1	
5	परीक्षा भवन से बाहर निकालकर नियमानुसार कार्रवाही की जाएगी।	2	
6	परीक्षक को	1	
7	बातचीत करते समय पकड़े जाने पर परीक्षक का निर्णय अन्तिम होगा।	1	

नियमपुस्तिका विवरणिका नियमपुस्तिका लीफलेट भाषण लेखन चित्र वर्णन निबंध लेख
विज्ञापन विवरणिका लीफलेट मार्गदर्शिका ब्लॉग लेखन सारांश मार्गदर्शिका लेख